सप्तम वर्ग : ' य, श्र, ष, स, ह ' से आरम्भ होने वाले शब्द

'श्र' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

744. श्री : लक्ष्मी । कमल । वृद्धि । बेल का वृक्ष । ऐश्वर्य । अधिकार । सफेद चन्दन । एक आदरसूचक शब्द जो नाम से पहिले लगाया जाता है । श्रीमान, श्रीमती , श्रीमत् ।

745 श्रीकण्ठ : शिव महादेव ।

746. श्री कान्त : लक्ष्मीपति । श्रीविष्णु । श्रीपति ।

747. श्रीकर : लाल कमल ।

748. श्रुति : वेद । कान से सुनी बात । ध्वनि । शब्द । त्रिभुज के समकोण के सामने की रेखा । अभिधान ।

749. श्रुतिमाला : ब्रह्मा । श्रुतिमुख ।

750. श्रेणी : पंक्ति । परम्परा । श्रृंखला । मण्डली । समूह ।

751. श्रेष्ठ : उत्तम । बड़ा । मुख्य । प्रशस्त । कई में प्रमुख । प्रधान । विशेष ।

752. श्रेयस्कर : शुभ करनेवाला ।

753. श्रेय : धर्म । पुण्य । सदाचार । मुक्ति । कल्याण । श्रेष्ठ । उत्तम ।

'ष' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

754. षटचक्र : हठयोग के अनुसार कुण्डालिनी के ऊपर के छः चक्र

755. षड्यन्त्र : किसी के विरुद्ध गुप्त रीति से किया गया कोई कार्य । कपटपूर्ण आयोजन ।

756. षटकोण : छः कोणों का रेखा आकार ।

757. षटअशटक वर्ग : ज्योतिष शास्त्र में छः वर्गों को आधार बना कर विश्लेक्षण करना ।

'स' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

758. संक्षेप : थोड़े शब्दों में पूरी बात कह देना ।
759. संकेत : इशारा करना ।

760. संज्ञा : चेतना । ज्ञान । बुद्धि । संकेत । व्याकरण में वह शब्द जिससे किसी वस्तु का बोध होता है ।
761. संस्था : सभा । मण्डल । समुदाय । व्यवस्था ।

762. संयोग : मिलान । मिलाप । समागम । सम्बन्ध । विवाह सम्बन्ध । मत का एक होना । दो या अधिक व्यंजन वर्णों का मेल । जोड़ ।

763. संयम : वश में करने की क्रिया या भाव । प्रयत्न उद्योग ।

764. संहार : संग्रह । संजय । संक्षेप कथन । ध्वंस । नाश । अन्त । प्रलय ।

765. सकल : समस्त । पूरा । सारा । सघन : ठोस । घना । अविरल ।
766. सकत : सामर्थ्य । बल । शक्ति ।

767. सकति : यथासम्भव । भरसक ।
768. सकती : शक्ति ।
769. सकना : कोई कार्य करने के योग्य होना ।

770. सच : सत्य । यथार्थ । वास्तविक । जो हुआ है या जो है ।
771. सचमुच : यथार्थ में । वास्तव में ।
772. सच्चा : सच बोलने वाला ।

773. सचेत : सावधान । जिसके पास चेतना या प्राण हैं । सजीव । चेतना सहित । सजग ।
774. सत या सत्त : किसी पदार्थ का सार या मूल भाग । तत्व । सत्व ।

775. सदा : निरन्तर । सर्वदा । सदैव । हमेशा । अनन्त समय तक
776. सदाचरण : अच्छा चाल चलन और व्यवहार ।
777. सदाचार : भले मनुष्य के जैसा व्यवहार ।
778. सदाचारी : धर्मात्मा । पुण्यात्मा ।

779. सन्देश : समाचार । संवाद । एक प्रकार की मिठाई ।

780. सन्दर्भ : प्रबन्ध । संग्रह । विस्तार । परम्परान्वित रचना ।

781. सन्तोष : तृप्ति । प्रसन्नता । हर्ष । शान्ति ।

782. सन्न : भौंचक्का । बहुत अधिक आश्चर्यचकित हो जाना । स्तम्भित । हक्का बक्का । आश्चर्य के कारण कुछ सोच या बोल न पाना ।

783. सनध्द : बँधा हुआ । कसा हुआ ।

784. सन्नाटा : जहाँ लोग हों पर कोई आवाज़ या ध्वनि न हो । चुपचाप । निःशब्दता । एकान्तता ।

785. सपाट : समतल । एकदम साफ । चिकना । सफाचट ।
786. सपाटा : दौड़ने या चलने का वेग या गति ।

787. सफल : किसी कार्य को लक्ष्य के अनुसार पूरा करना ।
788. सार्थक : कृतकार्य । पूर्णता । सिद्धि । सफलता ।

789. सब : सभी । पूरे के पूरे । सारे । समस्त । जितने हों वे सभी
790. सबल : बल सहित या बलवान । सैन्ययुक्त । जिसके पास शारीरिक , सैन्य , या आर्थिक बल हो ।

791. सभा : वह स्थान जहाँ पर बहुत से लोग बैठ कर किसी बात पर परामर्श करते हैं या किसी कार्य के लिए एकत्र होते हैं । परिषद् । समिति ।

792. सभ्य : जिसका आचरण और व्यवहार अच्छा हो ।
793. सभ्यता : भलमनसी । भले व्यक्ति की तरह का व्यवहार । सज्जनता ।

794. समः समान । बराबर । तुल्य । गणित में वह सीधी रेखा जो उस अंक पर लगाई जाती है जिसका वर्गमूल निकालना होता है
795. समता : बराबरी । एक तरह के ।
796. समचर : समान आचरण वाला ।
797. समचित : जिसका चित्त हर अवस्था में एक जैसा रहता है ।

798. समक्ष : सामने । सम्मुख ।
799. समचर : समान आचरण वाले दो व्यक्ति ।
800. समचित : जिसका मन हर अवस्था में एक जैसा रहता हो ।

801. समझ : ज्ञान । बुद्धि ।
802. समझना : किसी बात को अच्छी तरह ध्यान में रखना ।
803. समझौता : किसी विवाद का आपस में निबटारा ।

804. समय : काल । अवसर । अन्तिम काल । अवकाश ।

805. समर्घ : सस्ता । कम मुल्य का ।
806. समर्थ : योग्य । किसी कार्य को उचित प्रकार से पूरा करने की क्षमता । अनुकूल ।
807. समर्थन : विवेचन ।

808. समर्पण : किसी वस्तु को आदरपूर्वक भेंट करना ।
809. समर्पक : समर्पण करने वाला व्यक्ति ।
810. समर्पित : समर्पण किया हुआ । भेंट में दी हुई वस्तु ।

811. समाधि : चित्त को एकाग्र करके ब्रह्म की ओर लगाना । ध्यान । योग । एकाग्रता ।
812. समाधान : किसी प्रश्न या समस्या का सन्तोषकारक उत्तर । निबटारा । समर्थन ।

813. समान : एक जैसे । सम । तुल्य । बराबर ।
814. समाना : भरना । अँटना । एक का दूसरे पदार्थ के अन्तर्गत हो जाना । मिश्रण ।

815. समेत : साथ में । सहित । संयुक्त । मिला हुआ ।
816. समवेदना : सहानुभूति ।
817. समाप्त : जिसका अन्त हो गया हो ।

818. सम्भव : हेतु । कारण । जन्म । उत्पत्ति । प्रसंग । संकेत । संभावना ।
819. सम्भावनीय : कल्पना करने योग्य ।
820. सम्भावित : मन में लाया या उपस्थित किया हुआ।
821. सम्भवतः : जो हो सकता है ।

822. सरल : आसान । जिस में कपट न हो । सीधा। सहज । सुगम।
823. सरस : रस से भरा हुआ । रसीला । स्वादिष्ट । मधुर । नया । मनोहर । सुन्दर ।

824. सर्वज्ञ : शिव। विष्णु । सब कुछ जानने वाले ईश्वर ।
825. सर्वत्र : सब ओर । चारों तरफ ।
826. सर्वथा : सब प्रकार से ।
827. सर्वदा : सब समय या काल में ।
828. सर्वश्रेष्ठ : सब से उत्तम ।
829. सर्वसाधारण : सामान्य । जो सब में पाया जाये । साधारण लोग ।
830. सवा : एक सम्पूर्ण तथा एक चौथाई ।
831. संवाद : बातचीत । दो जनों के बीच बातचीत ।
832. स्वाद : खाई गई वस्तु या व्यंजन का रस ।

833. सह : सहित । समेत । विद्यमान । उपस्थित । सहनशील। समानता । बराबरी ।
834. सहज : आसान । सरल। सुगम ।
835. सहनः क्षान्ति । क्षमा ।
836. सहनीयः सहन करने योग्य ।
837. सहकारी : सहायक । सहयोग के साथ ।

838. सहयोग : साथ मिल कर किया गया कार्य । किसी कार्य में हाथ बटाना ।
839. सहानुभूति : किसी के कष्ट को देख कर स्वयं दुखी होना ।

840. सहर्ष : हर्ष या आश्चर्य से भरा हुआ । हर्ष सहित । हर्ष युक्त
841. सहस्र : दस सौ यानि एक हज़ार की संख्या ।

842. साकार : साक्षात् । सत्य रूप में उपस्थित । स्वयं ।
843. साक्षात्कार : पदाथों का वह ज्ञान जो इन्द्रियों द्वारा होता है ।

844. साड़ी : भारत में स्त्रीयों के पहिनने की किनारेदार धोती ।
845. साढ़ी : दूध के उपर जमने वाली मलाई ।

846. सात : पॉच और दो की संख्या ।
847. साथ : मिलकर या संग संग । सहचार । सहित । मेलमिलाप । घनिष्ठता ।
848. साथी : मित्र । साथ रहने वाला ।

849. साध : इच्छा । कामना । अभिलाषा ।
850. साधना : पूरा करना । पक्का करना । ठहरना । नापना । शुद्ध करना । वश में करना ।
851. साधन : कारण । विधान । हेतु । गति ।
852. साधारण : सार्वजनिक । सहज । सामान्य । सदृश्य। साधारणतः प्राय । अधिकार । बहुधा । सामान्य रूप से ।

853. साधु : साधू । धार्मिक पुरुष । सन्त । सज्जन । निपुण । उचित । उत्तम ।
854. साध्य : साधन करने योग्य । सरल । सहज । प्रतिपाद्य ।

855. सामना : किसी वस्तु का अगला भाग । विरोध । सामान्य : साधारण ।

856. सार : जल । पानी । धन । अमृत । जंगल । बल । अभिप्राय। वायु । परिणाम । फल । पालन पोषण ।

857. सारगन्ध : चन्दन ।

858. सिद्ध : प्रसिद्ध । सम्पन्न सफल । अनुकूल किया हुआ । लक्ष्य पर पहुँचाया हुआ । निर्णीत । जिसका तप या योग साधना पूरी हो चुकी हो । जो ठीक घटा हो । जो प्रमाण द्वारा निश्चित हो । ऑच पर पकाया हुआ । शोध किया हुआ ।

859. सिद्धता : सिद्धि । पूर्णता ।

860. सीधा : जो टेढ़ा नहीं है । बिना पका हुआ अन्न । शान्त । शिष्ट । सहज । बिना कपट के । सम्मुख । ठीक सामने की ओर ।

861. सीमा : किसी प्रवेश या वस्तु के विस्तार का अन्तिम स्थान । स्थिति ।

862. सुचार : सुन्दर । मनोहर । सुचाल ।

863. सुचारू : अति मनोहर । बहुत सुन्दर ।

864. सुचि : सुई ।

865. सुचित : स्थिरचित्त । शान्त । जो किसी काम में निवृत्त हो गया हो ।

866. सुचिन्तित : जो भली प्रकार से विचारा हुआ हो । सुमति : अच्छी मति । अत्यन्त बुद्धिमान । सुबुद्धि ।

867. सुरभि : सुगन्ध । सुगन्धित ।

868. सुमन : सुन्दर । मनोहर ।
869. सुरम्य : बहुत सुन्दर ।

870. सुयोग : अच्छा अवसर ।
871. सुयोग्य : बहुत योग्य ।

872. सुविदित : अच्छी तरह से जाना हुआ ।
873. सुसज्जित : अच्छी तरह से सजाया हुआ ।
874. सूक्त : अच्छी तरह कहा हुआ । उत्तम कथन । उत्तम भाषण ।

875. सूत : कपड़ा बुनने का धागा । तागा ।
876. सूम : बहुत महीन । परिमाण ।

877. सूक्ष्म वस्त्र : महीन कपड़ा ।
878. सूक्ष्ममति : तीक्ष्ण बुद्धि ।

879. सूत्र : सूत । व्यवस्था । नियम । कारण । मूल । पता । थोड़े शब्दों में कहा हुआ ऐसा पद या वचन जो बहुत अर्थ प्रकट करता हो ।

880. सूना : निर्जन स्थान । स्थान जहां कोई न हो । जनहीन ।
881. सुनसान : निर्जन । जहॉ किसी प्रकार की आवाज़ या ध्वनि न हो

882. सृजन : सृष्टि करने की क्रिया ।
883. सृष्टि : रचना । जगत की उत्पत्ति । संसार । निर्माण ।

884. सोता : जल की निरन्तर बहने वाली छोटी सी धारा, जो अधिकतर पहाड़ो में पाई जाती है ।

885. सोना : सुवर्ण । अत्यन्त बहुमूल्य धातु या उससे बनी वस्तुएं । नींद लेना ।

886. सौभाग्य : अच्छा भाग्य । सुख । आनन्द । ऐश्वर्य ।
887. सौशील्य : शुद्ध स्वभाव । साधुता ।

888. सकन्दी : उछलने कूदने वाला ।
889. सकन्ध : पेड़ का तना ।

890. स्थल : भू भाग । भूमि । स्थान । पुस्तक का अंश ।

891. स्थली : जल शून्य स्थान ।

892. स्पर्श : छूना ।

893. स्पन्द : किसी वस्तु का धीरे धीरे हिलना या कॉपना । शरीर के किसी हिस्से का फड़फड़ाना ।
894. स्पन्दन : टपकना । पसीजना । निकलना । बूँद बूँद गिरना ।
895. स्वकर्म : अपने आप किया हुआ या किया जाने वाला कार्य ।
896. स्वकर्मी : स्वार्थी । जो केवल अपने बारे में सोचता हो ।
897. स्वभाव : मन की प्रवृति । प्रकृति से उत्पन्न व्यवहार । वह मूल व्यवहार जो बदलता नहीं ।
898. स्वप्न : नींद में वस्तु दर्शन । नींद । निद्रा ।
899. स्वयं : अपने आप । आप ही ।
900. स्वर : बोलने से सुनाई देने वाली आवाज़ । वह ध्वनि जो किसी प्राणी के मुख से उत्पन्न होती है या किसी पदार्थ और धातु के

गिरने या टकराने से सुनाई देती है । संगीत के सात स्वर । देवनागिरी वर्णमाला के पहले 13 अक्षर ।

901. स्वर्ग : देवलोक ।

902. स्वागत : अभिनन्दन । किसी के आने पर उसकी अगवानी करना और बैठने के लिये आसन देना। स्वाद : रस की अनुभूती । स्वार्थ : केवल अपना लाभ या उद्देश्य देखना । स्वेच्छा : अपनी इच्छा से । स्वास्थ्य : शरीर में किसी प्रकार की बिमारी या विकार की स्थिति । स्वस्थ : निरोगता । आरोग्य ।

'ह' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

903. हल्का : जो भारी न हो । कम वज़न का । जो गहरा न हो । सहज । थोड़ा । ओछा । महीन । जो चटकीला न हो । मन्द । घटिया ।

904. हटना : एक स्थान से दूसरे स्थान में जाना ।

905. हड़पना : अनुचित ढ़ंग से किसी दूसरे की वस्तु पर अधिकार करना या छीन लेना । निगलना ।

906. हसिक : हॅसी ठिठोली करने वाला व्यक्ति ।

907. हॅसी : ठिठोली । विनोदपूर्ण उक्ति । निन्दा । प्रसन्नता का भाव । उपहास ।

908. हलकोरा : पानी की लहर ।

909. हलचल : व्यग्रता । अधीरता । डगमगाता हुआ । डोलता हुआ । हिलना डोलना । कम्पन ।

910. हलभली : शीघ्रता ।

911. हलहल : किसी पात्र में भरे हुये जल को हिलाने से उत्पन्न होने वाली ध्वनि ।

912. हलाहल : बहुत तीव्र विष ।

913. हाथ : शरीर का वह अवयव जिससे किसी पदार्थ को पकड़ा या छुआ जाता है । चौबीस अँगुल का नाप । ताश के खेल की एक बाजी । किसी कार्यालय में कार्य करने वाला मनुष्य ।

914. हाथा : किसी अस्त्र की मूठ जहाँ से वह अस्त्र पकड़ा जाता है ।

915. हाथी : जमीन पर रहने वाला सब से बड़ा पशु जो अपनी लम्बी सूड़ के कारण अलग पहचाना जाता है ।

916. हानि : घाटा । नुकसान । अभाव । क्षति । नाश । क्षय । युद्ध में हार।

917. हारी : चुरानेवाला । मोहित करने वाला । जीतनेवाला ।

918. हार : सोने , चाँदी , या मोतियों की माला । अंकगणित में भाजक । पराजय । हानि । क्षति ।

919. हाल : स्थिति । परिस्थिति । लोहे का वह बन्द जो पहिये के घेरे पर चढ़ाया जाता है ।

920. हास : हँसी । उपहास । निन्दा ।

921. हार्दिक : हृदय से निकला हुआ ।

922. हित : उपकारी । लाभदायक । अनुकूल । प्रिय । अच्छा व्यवहार करने वाला । हितकारी । उपकारी । लाभ । कल्याण । अनुकूलता । मित्र संबंधी । निमित । वास्ते । लिये । प्रसन्नता के लिये ।

923. हितकर : उपयोगी ।

924. हिलना : सरकना । डोलना । ढीला पड़ना । काँपना । झूमना । लहरारा । उद्योग करना ।

925. हिलाना : झुलाना । डुलाना । कंपाना । परचाना ।

926. ही : वह शब्द जो प्रभाव डालने के लिये या स्वीकृति के लिये उपयोग किया जाता है । परिमिति । निश्चय । अल्पता । शून्यता आदि का सूचक शब्द ।

927. हीन : कम । तुच्छ । अल्प । दीन । वंचित । ओछा ।

928. हीरा : एक प्राकृतिक रत्न जो अपनी चमक और ठोसता के लिये प्रसिद्ध है । अति उत्तम वस्तु ।

929. हृदय : मन । अन्तःकरण । वक्षःस्थल ।
930. हृदयग्राही : हृदय को लुभाने वाली वस्तु या व्यक्ति या स्थिति ।

931. हेरफेर : चक्कर । घुमाव । उलट फेर ।
932. हेराफेरी : अदला बदली । अदल बदल ।

933. होड़ : बराबरी करने का भाव । स्पर्धा । हठ ।
934. होत : सामर्थ्य । सम्पन्नता ।

935. होना : अस्तित्व रखना । उपस्थित रहना । भुगतना । घटित किया जाना ।
936. होनी : उत्पत्ति । होनेवाली घटना । वृतान्त ।

समाप्त।